

# कला को मिले कदमदान...

आ ट गैलरीज... एक ऐसी जगह जहां कला के बेजोड़ नमूनों के साथ-साथ मौजूद है, कलाप्रेमियों का एक जमावदा। कहीं किसी कलाकृति के रहस्य को समझने की कोशिश करते लोग हैं, तो कहीं अपनी कला के पीछे छिपी भावनाओं को समझाता कोई कलाकार। ऐसे जीवंत माहौल का इतनार कलाप्रेमियों के साथ-साथ कलाकारों की भी रुहता है। लेकिन कला प्रदर्शनियों का आयोजन और उनमें लगातार शिरकत करते रहना आज बहुत ज्यादा लोगों के बस की बात नहीं है। आजकल व्यस्तता के चलते बहुत से

कलाप्रेमी आर्ट गैलरीज की राह चाहकर भी नहीं पकड़ पाते। इस दिक्षित से निफटने का उपाय कई युवा एंटरप्रेन्योर्स ने खोजकर इन कलाप्रेमियों को एक ऐसे मंच दिया है, जहां पर ये अपनी पसंदीदा कलाकृतियां तो खरीद ही सकते हैं, साथ ही उन्हें कला जगत के लोगों से जुड़ने का भी मौका मिल जाता है। इसके अलावा कई एंटरप्रेन्योर्स ग्रामीण कला और शहरी यांग के बीच की कड़ी बनकर कलाकारों को प्रोत्साहन दे रहे हैं।



## इंडियन आर्ट की झालक

**'इंडियन आर्ट अइडियाज डॉट कॉम'** एक ऐसी वेबसाइट है, जिस पर कलाप्रेमियों को तरह-तरह की पेटिंग्स और मूर्तियां देखने को मिल सकती हैं। रेवें का अद्भुत प्रबोग इन पेटिंग्स को जीवंत बना देता है। वेबसाइट के बारे में इसकी क्रिएटिव हेड और डायरेक्टर हिल्ली अश्रवाल कहती है कि यह वेबसाइट कुछ छास है। इस वेबसाइट पर दिखाई जने वाली कलाकृतियों में से अपनी पसंदीदा कलाकृति आप ऑफलाईन करके खरीद सकते हैं। यहां अपनी कलाकृतियों प्रदर्शित करवाने के लिए कलाकार अपने प्री ऑफलाईन बनाकर अपनी खुद की गैलरी, ब्लॉग और इस वेबसाइट पर बनाकर अपनी कलाकृतियां प्रदर्शित कर सकते हैं।

## क्या है इंटरनेट पर आर्टवर्क का ट्रेंड

आ ज इंटरनेट पर कई बेब आर्ट गैलरीज मौजूद हैं, जो कलाप्रेमियों और कलाकारों को एकसाथ लाने का काम करती हैं। इसकी मदद से कलाकारों को अपने आर्टवर्क दिखाने के लिए एक मंच मिल जाता है और कलाप्रेमियों के समने खरीदारों से पहले विकल्प बढ़ जाता है। कौपान्या अपनी वेबसाइट का प्रयोग करने वाले कलाकारों से उनके आर्टवर्क बिकने पर कुछ कमीशन लेते हैं। इसका प्रयोग वे अपनी वेबसाइट के संचालन

आदि में करती हैं। कमीशन आर्टवर्क बिकने के बाद लिया जाता है। वेबसाइट की सेक्युरिटी के आधार पर कमीशन अलग-अलग हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर यह बहुत और कलाकार के लिए फायदे का स्रोत ही बनता है। यहां आर्टवर्क का ग्राहक के घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी वेबसाइट की ही होती है। कुछ वेबसाइट्स डिलीवरी मूल में करती हैं तो कुछ इसके लिए चार्ज करती हैं।